

## 16वाँ पूरवी एशिया शखिर सम्मेलन

### प्रलमिस के लयि:

पूरवी एशिया शखिर सम्मेलन, इंडो-पैसफिकि, आसयान, क्वाड, बहुपक्षवाद, साइबर सुरक्षा

### मेन्स के लयि:

16वाँ पूरवी एशिया शखिर सम्मेलन की प्रमुख वशिषताएँ एवं इंडो-पैसफिकि क्षेत्र का महत्त्व

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने [16वें पूरवी एशिया शखिर सम्मेलन \(EAS\)](#) में भाग लयि।

16वें EAS में [इंडो-पैसफिकि](#), [दक्षिण चीन सागर](#), [संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि \(UNCLOS\)](#), [आतंकवाद](#) और [कोरियाई परायद्वीप](#) तथा [म्यांमार](#) की स्थिति सहति महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

### प्रमुख बदि

#### ■ इंडो-पैसफिकि:

- भारत के एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसफिकि क्षेत्र में [आसयान केंद्रीयता के सिद्धांत](#) पर फरि से ध्यान केंद्रति करने की पुष्टि की गई।
- इसमें इंडो-पैसफिकि (AOIP) और भारत के इंडो-पैसफिकि ओशन इनशिएटिवि (IPOI) पर आसयान आउटलुक के बीच मौजूदा तालमेल की स्थिति पर प्रकाश डाला गया।

#### ■ लचीली वैश्विकि मूल्य शृंखला:

- एक [लचीली वैश्विकि मूल्य शृंखला के महत्त्व पर बल](#) दयिा गया और [इंडो-पैसफिकि देशों को क्वाड-प्रायोजति वैक्सीन](#) उपलब्ध कराने के लयि भारत की प्रतबिद्धता को दोहराया।
- वर्ष 2022 के अंत तक वैश्विकि आपूर्तिको बढ़ावा देने के लयि [क्वाड देशों \(भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका\)](#) की साझेदारी में भारत में वैक्सीन की कम-से-कम 1 अरब खुराक के उत्पादन में मदद करने की प्रतबिद्धता व्यक्त की गई है।
- [आसयान कोवडि-19 रकिवरी फंड के लयि भारत के 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समर्थन](#) का आभार व्यक्त कयि।

#### ■ बहुपक्षवाद:

- भारत [बहुपक्षवाद](#), नयिम-आधारति अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के साझा मूल्यों के प्रतिसम्मान को मज़बूत करने के लयि प्रतबिद्ध है।

#### ■ साइबर सुरक्षा:

- साइबर सुरक्षा पर [वैश्विकि मानकों को विकसति करने के लयि वचिार-वमिर्श](#) भी कयिा गया।

#### ■ अन्य:

- EAS राजनेताओं ने [मानसकि सवास्थ्य](#), पर्यटन के माध्यम से आर्थिकि सुधार और स्थायी सुधार पर तीन वक्तव्यों को अपनाया, जनिहें भारत द्वारा सह-प्रायोजति कयिा गया है।

## पूरवी एशिया शखिर सम्मेलन

## ■ परचियः

- वर्ष 2005 में स्थापति यह इंडो-पैसफिकि क्षेत्र के समक्ष उत्पन्न होने वाली प्रमुख राजनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों पर रणनीतिक बातचीत एवं सहयोग हेतु 18 क्षेत्रीय नेताओं (देशों) का एक मंच है।
- वर्ष 1991 में पहली बार पूर्वी एशिया समूह की अवधारणा को तत्कालीन मलेशियाई प्रधानमंत्री, महाथिर बिन मोहम्मद (Mahathir bin Mohamad) द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
- EAS के ढाँचे में क्षेत्रीय सहयोग के छह प्राथमिकता वाले क्षेत्र शामिल हैं। जो इस प्रकार हैं- पर्यावरण और ऊर्जा, शिक्षा, वित्त, वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दे और महामारी रोग, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन तथा आसियान कनेक्टिविटी।

## ■ सदस्यता:

- इसमें आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) के दस सदस्य देशों - ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वयितनाम के साथ 8 अन्य देश- ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, भारत, न्यूज़ीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस एवं संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
- यह आसियान देशों पर केंद्रित एक मंच है, इसलिये इसकी अध्यक्षता केवल आसियान सदस्य ही कर सकता है।

- वर्ष 2021 के लिये इसकी अध्यक्षता ब्रुनेई दारुस्सलाम (Brunei Darussalam) के पास है।

## ■ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और प्रक्रियाएँ:

- पूर्वी एशिया शिखर (EAS) सम्मेलन की वार्षिक सूची नेताओं के शिखर सम्मेलन के साथ समाप्त होती है, जिसका आयोजन आमतौर पर प्रत्येक वर्ष की चौथी तमिही में आसियान नेताओं की बैठकों के साथ किया जाता है।
- EAS वदेश मंत्रियों और आर्थिक मंत्रियों (Economic Ministers) की बैठकें भी प्रत्येक आयोजित की जाती हैं।

## ■ भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन:

- भारत पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के संस्थापक सदस्यों में से एक है।
- भारत ने नवंबर 2019 में बैंकॉक में आयोजित पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत की इंडो-पैसफिक ओशन इनशिएटिव (IPOI) का अनावरण किया था, जिसका उद्देश्य एक सुरक्षा और स्थिर समुद्री डोमेन या अधिकार क्षेत्र के निर्माण के लिये भागीदार बनाना है।

//



स्रोत: हदिसतान टाइम्स